REVIEWS OF LITERATURE
ISSN: 2347-2723
IMPACT FACTOR : 3.3754(UIF)
VOLUME - 5 | ISSUE - 6 | JANUARY - 2018

सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

अनुषा दूत[1] , डॉ. मुरलीधर मिश्रा[2]
[1] शोधार्थी, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान .
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान .

सारांश

सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने के लिए 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का उपयोग किया गया। अध्ययन के न्यादर्श में 200 विद्यार्थियों एवं 100 अध्यापकों का

चयन न्यादर्शन की सौद्देश्यपूर्ण पद्धति से किया गया। प्रदत्तों के संकलन हेतु स्वनिर्मित विद्यार्थी प्रत्यक्षीकरण सूची और अध्यापक प्रत्यक्षीकरण सूची का प्रयोग किया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत आवृत्ति, प्रतिशत एवं रेखाचित्रीय विश्लेषण का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन में निष्कर्षतः यह पाया गया है कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

प्रयुक्त शब्दावलीः सामुदायिक रेडियो स्टेशन, कमलवाणी 90.4 एफएम, शैक्षिक प्रयास, प्रभावशीलता, विद्यार्थी प्रत्यक्षीकरण, अध्यापक प्रत्यक्षीकरण.

संचार के अन्य साधनों का बेहतर स्तर पर उपयोग किये जाने के बाद भी आज रेडियो की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। रेडियो सभी पहलुओं में देश की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं लोकतांत्रिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में ग्रामीण एवं शहरी दोनों परिदृश्य में परिवर्तन के साधन के रूप में सामुदायिक रेडियो प्रतिकात्मक संचार उपकरण बन गया है। सामुदायिक रेडियो द्वारा समुदाय के सदस्य अपने विचारों, भावनाओं को दूसरे के सामने प्रकट कर सकते हैं तथा अपनी समस्याओं के लिए सुझाव प्राप्त कर सकते हैं। नयी-नयी तकनीकों के बारे में जान सकते हैं। वर्तमान समय में शहरों से अधिक गांवों में इसका प्रचार बड़ी तेजी से हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग जो कि शहरी लोगों से विकास के प्रत्येक क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं उन्हें समय की मुख्य धारा में लाने का एक प्रमुख साधन सामुदायिक रेडियो है। ग्रामीण लोग प्रत्येक क्षेत्र में जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका ज्यादा से ज्यादा प्रयोग कर रहें हैं। इस प्रकार ग्रामीण लोगों में जागरूकता लाने के कारण रेडियो के प्रति उनके मन में एक सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिल रहा है। तथा दिन-प्रतिदिन इसकी महता और उपयोगिता बढ़ रही है।

सोफोवोरा (2008), सिंह एवं अन्य (2010), पाटिल (2010), शर्मा (2011), चौधरी (2011), अल-हसन एवं अन्य (2011), त्यागी (2013), एवं सैनी (2013) के अनुसार सामुदायिक रेडियो ग्रामीण क्षेत्र के विकास में पिछड़ेपन को दूर करने के लिए सरकार प्रयासरत है। यह सरकार व जनता के बीच की दूरी को कम करने के लिए रेडियो बुनियादी रूप से कारगर साबित हो सकता है। सामुदायिक रेडियो सरकार की नीतियों से आम जनता को जागरूक करने तथा जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने का सबसे सस्ता साधन साबित हो सकता है। सामुदायिक रेडियो बेजुबान की आवाज बनने, ग्रामीण जनता को मानवाधिकार के बारे में सूचना देने, शिक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रशासन, निर्णय लेने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं कृषक समुदाय को समयानुसार कृषि सम्बन्धी सूचना देकर जागरूक बनाने सहित ग्राम विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

लक्ष्मी एवं चन्द्रलेखा (2013) तथा नायर (2011) के अनुसार भारत में सामुदायिक रेडियो सामुदायिक सदस्यों के माध्यम से समुदाय की समस्याओं, मुद्दों, जरूरतों पर आधारित विषयों को सामने रखते हुए समुदाय के विकास में भागीदार निभा सकते हैं।

मडेमोम्बे (2005), लामा (2010), तावलेह (2012), चेमवेइना (2014) तथा यालाला (2015) ने अपने अध्ययनों में यह पाया कि सामुदायिक रेडियो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से जागरूक करने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचना प्राप्त करने एवं महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सामुदायिक रेडियो द्वारा शांति निर्माण, सुषासन, शिक्षा संबंधी और आर्थिक विकास सम्बन्धी उपयोगी कार्यक्रमों को प्रसारित करने को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा अधिक से अधिक जनता की भागीदारी व सहयोग प्राप्त करने की पूर्णतः कोषिष की जा रही है।

सेबुकन एवं राय (2015) के अनुसार रेडियो से प्रसारित कार्यक्रमों से ग्रामीण लोग सकारात्मक रूप में प्रभावित थे तथा महिलाएँ एवं विद्यार्थी श्रोताओं की संख्या अधिक थी तथा बंसल एवं चैधरी (1999) के अनुसार विद्यार्थियों के कोर्स उद्देश्यों को पूरा करने एवं विद्यार्थी सहभागिता बढ़ाने में रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की सराहनीय भूमिका रही है।
इस प्रकार सामुदायिक रेडियो द्वारा ग्रामीण सुधार एवं देश की प्रगति में सहायक बनने का कार्य सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। ऐसे क्षेत्र जो विज्ञान व प्रौद्योगिकी से अनभिज्ञ हो, आसानी से जहाँ शिक्षा की पहुँच न हो वहाँ सामुदायिक रेडियो द्वारा मनोरंजन रूपी कार्यक्रमों के साथ-साथ आसानी से शिक्षा का प्रसार किया जा सकता है। क्योंकि यह एक समय में व्यापक क्षेत्र में प्रसार कर सकता है। सामुदायिक रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम समाज के भीतर पारम्परिक मूल्यों के निर्माण को प्रोत्साहित कर सकते हैं तथा प्रसारित कार्यक्रमों में स्थानीय समुदाय के विषेष हितों को महत्व दिया जा सकता है। कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन (90.4 एफएम) राजस्थान राज्य के झुन्झुनू जिले की नवलगढ़ तहसील के अन्तर्गत कोलसिया गाँव में स्थित शेखावाटी अँचल का एकमात्र रेडियो स्टेशन है। जिसके द्वारा शेखावाटी क्षेत्र में विविध शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है।

सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा से शोधकर्ता द्वय के मस्तिष्क में कमलवाणी सामुदायिक रेडियो 90.4 एफ.एम. से सम्बन्धित अनेक प्रश्न उभरे, जैसे - कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा किये जाने वाले शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता को विद्यार्थी किस प्रकार प्रत्यक्षीकृत करते हैं? कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा किये जाने वाले शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता को अध्यापक किस प्रकार प्रत्यक्षीकृत करते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने हेतु शोधकर्ता द्वय ने अपनी शोध समस्या सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन का निर्धारण किया।

शोध उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के अग्रांकित विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किये गये-

1. सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

2. सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

अध्ययन परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत अध्ययन के शोध उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अग्रांकित परिकल्पनाओं का विकास किया गया है-

1. सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।
2. सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

संक्रियात्मक परिभाषाएँ

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की संक्रियात्मक परिभाषाएँ इस प्रकार हैं-

अ. सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम'

यह एक सामुदायिक रेडियो है जो कि राजस्थान राज्य के झुन्झुनू जिले की नवलगढ़ तहसील के कोलसिया ग्राम में एक गैर-सरकारी संस्थान 'कमलनिष्ठा संस्थान' द्वारा स्थापित किया गया है। यह शेखावाटी अंचल का प्रथम सामुदायिक रेडियो है। इसे 22 नवम्बर, 2012 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार ने लाईसेन्स प्रदान किया है। इसकी फ्रिक्वेंसी 90.4 एफएम तथा प्रसारण क्षेत्र 15 किलोमीटर आकाशीय परिधि में है। इस सामुदायिक रेडियो द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी तथा राजस्थानी भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं।

ब. शैक्षिक प्रयास

शैक्षिक प्रयास से आशय शिक्षा के क्षेत्र में कुछ हासिल करने हेतु किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा की जाने वाली शारीरिक या मानसिक गतिविधि या क्रियाकलाप से लगाया जाता है। प्रस्तुत शोध कार्य में शैक्षिक प्रयास से तात्पर्य वर्ष 2014-15 में सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम द्वारा अपने प्रसारण क्षेत्र 15 किलोमीटर आकाशीय परिधि में निवास करने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों, किसानों एवं सामान्य जन में सामान्य शिक्षा का प्रसार एवं समसामयिक सामुदायिक मुद्दों के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए किये जाने वाले प्रयासों के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों एवं प्रसारित कार्यक्रमों से है।

शोध विधि

सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के विषय में लक्ष्यित श्रोता समूह में शामिल विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने के लिए 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का उपयोग किया गया।

अध्ययन की जनसंख्या

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारण क्षेत्र में निवास करने वाले सभी विद्यार्थी तथा अध्यापक जनसंख्या हैं।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के शैक्षिक कार्यक्रम की प्रभावशीलता के प्रति प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने के लिए न्यादर्श में 200 विद्यार्थियों एवं 100 अध्यापकों का चयन न्यादर्शन की सौद्देश्यपूर्ण पद्धति से किया गया।

शोध उपकरण

शोध अध्ययन के अनुरूप प्रामाणिक उपकरण उपलब्ध न होने एवं शोध विषय की नवीनता तथा मौलिकता को ध्यान में रखते हुए अग्रांकित स्वनिर्मित प्रत्यक्षीकरण सूचियों का प्रयोग किया है-

अ. विद्यार्थी प्रत्यक्षीकरण सूची

ब. अध्यापक प्रत्यक्षीकरण सूची

प्रदत्तों के स्रोत

प्रस्तुत शोध अध्ययन में कमलवाणी सामुदायिक रेडियो के नियमित श्रोता- विद्यार्थी एवं अध्यापक प्रदत्तों के स्रोत रहे हैं।

प्रदत्तों की प्रकृति

अध्ययन उद्देश्यों से सम्बन्धित प्रदत्तों की प्रकृति मात्रात्मक प्रकार की रही है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त मात्रात्मक प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत आवृत्ति, प्रतिशत एवं रेखाचित्रीय विश्लेषण का उपयोग किया गया है।

प्रदत्त प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण

परिकल्पना-1 ''सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है,'' का परीक्षण करने के लिए विद्यार्थियों के लिए विकसित प्रत्यक्षीकरण सूची का प्रशासन कर प्रदत्त प्राप्त किये गये। प्रत्यक्षीकरण सूची के अंकन एवं शोधकर्ता द्वय द्वारा विकसित मानदण्ड का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को उनके द्वारा व्यक्त प्रत्यक्षीकरण के आधार पर सकारात्मक एवं नकारात्मक में वर्गीकृत किया गया।

तालिका 1: सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण

क्र.सं.	श्रोता समूह का नाम	प्रत्यक्षीकरण (प्रतिशत में)		योग
		सकारात्मक	नकारात्मक	
1.	विद्यार्थी	58	32	200

चित्र 1: शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण

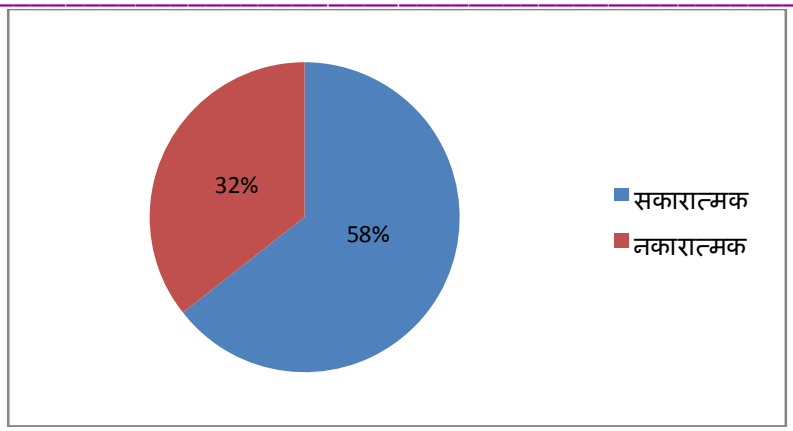

उपर्युक्त तालिका 1 एवं चित्र 1 सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित है। इस तालिका के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि कुल 58 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है जबकि केवल 42 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। अतः परिकल्पना-1 ''सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है,' अधिकांश विद्यार्थियों के लिए स्वीकृत होती है। इससे यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

परिकल्पना-2 ''सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है,'' का परीक्षण करने के लिए अध्यापकों के लिए विकसित प्रत्यक्षीकरण सूची का प्रशासन कर प्रदत्त प्राप्त किये गये हैं। प्रत्यक्षीकरण सूची के अंकन एवं शोधकर्ता द्वय द्वारा विकसित मानदण्ड का उपयोग करते हुए अध्यापकों को उनके द्वारा व्यक्त प्रत्यक्षीकरण के आधार पर सकारात्मक एवं नकारात्मक में वर्गीकृत किया गया है।

तालिका 2: सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण

क्र.सं.	श्रोता समूह का नाम	प्रत्यक्षीकरण (प्रतिशत में)		योग
		सकारात्मक	नकारात्मक	
1.	अध्यापक	74	26	100

चित्र 2: शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण

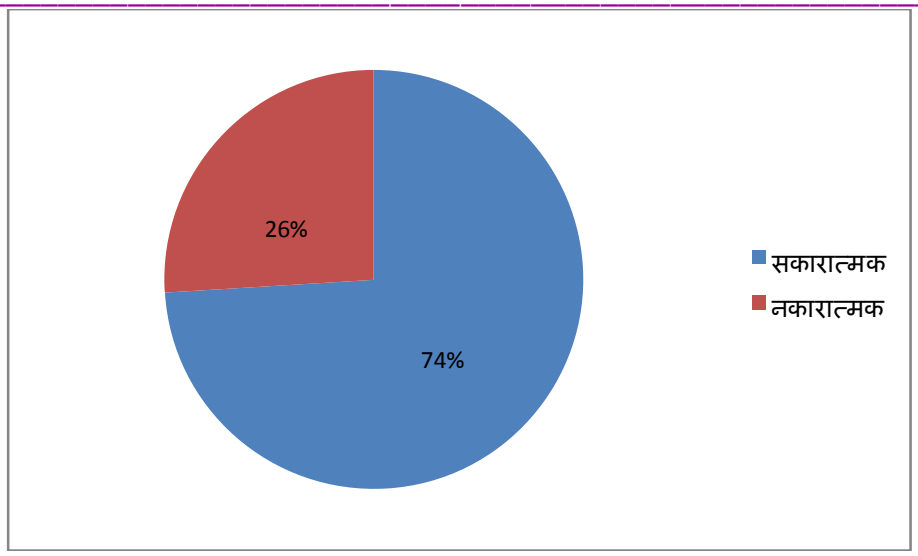

उपर्युक्त तालिका 2 एवं चित्र 2 सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित है। इस तालिका के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि कुल 74 प्रतिशत अध्यापकों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है जबकि केवल 26 प्रतिशत अध्यापकों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। अतः परिकल्पना-2 'सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है' अधिकांश अध्यापकों के लिए स्वीकृत होती है। इससे यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

निष्कर्ष-विवेचना

प्रस्तुत अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। विद्यार्थियों के द्वारा प्रत्यक्षीकरण अनुसूची पर दी गयी प्रतिक्रियाओं एवं साक्षात्कार द्वारा संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि कमलवाणी रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित कार्यक्रम 'युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानन्द' युवा लोगों के लिए प्रेरणादायक है, यह कार्यक्रम जिम्मेदारियों का ठीक ढ़ंग से पालन करने हेतु प्रेरित करता है, 'गाँव नै संभालो' कार्यक्रम से पंचायती राज व्यवस्था की जानकारी एवं गाँव के प्रति लगाव बढ़ता है, 'आपणी धरती-आपणा लोग' कार्यक्रम से समाज की अच्छी परम्पराओं को बनाये रखने का संदेश प्राप्त होता है, 'आपणी चौपाल' कार्यक्रम मुख्यतः गाँव में रहने वाले लोगों में आत्मविश्वास एवं सामुदायिक सद्भाव बढ़ाने में सहायक है, वहीं 'मस्ती की पाठशाला' कार्यक्रम से विद्यार्थियों में पढ़ाई का तनाव दूर करने तथा बड़ों का सम्मान करने की भावना का विकास करने में मदद मिलती है। 'जाने अपना राजस्थान' कार्यक्रम क्षेत्रीय एवं सामुदायिक एकता एवं 'श्रद्धांजलि शहीदों को' कार्यक्रम देश-प्रेम की भावना का विकास करने में सहायक है। 'संजीवनी' कार्यक्रम से पर्यावरण के प्रति लगाव, पेड़-पौधों के प्रति प्रेम एवं संरक्षण का भाव तथा 'कानून की बात' कार्यक्रम कानून से परिचित करा कर योग्य नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है, वे सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेना एवं नियमित रूप से सुनना समय का सदुपयोग होना मानते हैं, प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों की समाज में सराहना की जा रही है, प्रसारित कार्यक्रम सुनकर संतुष्टि मिलती है, प्रायः सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की सूचना विद्यार्थियों को प्रसारण से पूर्व दी जाती

है तथा कार्यक्रमों के विषय में बात की जाती है, ये कार्यक्रम समाज की तात्कालिक आवश्यकताओं पर आधारित होने से समाज में चेतना लाने का प्रयास कर रहे हैं, विद्यार्थी प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों के विषय में परस्पर बातचीत करते हैं, इन कार्यक्रमों से समसामयिक विषयों/मुद्दों (कन्या भ्रूण हत्या, घरेलु हिंसा, बालविवाह, नशाखोरी आदि) की जानकारी मिलती है एवं आस-पास के परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव करते हैं, बोलचाल की सरल एवं स्पष्ट भाषा होने से सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में निहित संदेश आसानी से समझ में आ जाता है आदि पक्षों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के कारण विद्यार्थियों का सामुदायिक रेडियो कमलवाणी के शैक्षिक प्रयासों के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण पाया गया है।

वहीं दूसरी ओर सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रसारित 'आपणी धरती-आपणा लोग' कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सफलता की कहानियाँ शामिल की जाती हैं, 'काया-रा-सुख' कार्यक्रम से स्वस्थ रहने, खान-पान में होने वाली मिलावट से बचने के लिए प्रेरणा मिलती है, 'मस्ती की पाठशाला' कार्यक्रम द्वारा आत्म-निर्भर एवं आत्मविश्वास बनाने का प्रयास किया जाता है। 'जाने अपना राजस्थान' कार्यक्रम राजस्थान की कला एवं संस्कृति की जानकारी, 'श्रद्धांजलि शहीदों को' कार्यक्रम युवाओं को विपरीत परिस्थितियों में साहसी एवं सहनशील बने रहने की प्रेरणा देता है, 'आज का युवा' कार्यक्रम समाज में समानता लाने, सकारात्मक ढ़ंग से सोचने, सामंजस्य बैठाने के लिए स्वयं को तैयार करने का संदेश देता है, विद्यार्थियों से सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों पर आपकी प्रतिक्रियायें एवं सुझाव माँगे जाते हैं, जिनका उपयोग आने वाले कार्यक्रमों में सुधार हेतु किया जाता है, जो कि आगे प्रसारित होने वाले कार्यक्रम आपके लिए उपयुक्त या लाभकारी हैं। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा में दी जाने वाली शिक्षा विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा से मिलती जुलती है, इस पर कार्यक्रम सुनने के बाद कार्यक्रमों के विषय में आप अपने अध्यापकों के साथ चर्चा करते हैं तथा इन शैक्षिक प्रयासों के विषय में स्थानीय समाचार पत्रों में पढ़ कर आनंद की अनुभूति करते है तथा सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व होने के कारण आपको गर्व की अनुभूति होती है आदि पक्षों पर अपेक्षाकृत नकारात्मक प्रतिक्रिया रखने के कारण सामुदायिक रेडियो कमलवाणी के शैक्षिक प्रयासों के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण पाया गया है। विद्यार्थियों के अनुसार सामुदायिक रेडियो कमलवाणी को अपना निश्चित विषय क्षेत्र चुनकर उस पर लगातार विशेष कार्य करना चाहिए, ताकि सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में निहित संदेश आसानी से समझ में आ सके।

प्रस्तुत अध्ययन से द्वितीय निष्कर्ष यह प्राप्त हुआ है कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। अध्यापकों के द्वारा प्रत्यक्षीकरण अनुसूची पर दी गयी प्रतिक्रियाओं एवं साक्षात्कार द्वारा संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि कमलवाणी रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित कार्यक्रम 'युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानन्द' युवा लोगों के लिए प्रेरणादायक है तथा कर्तव्यों का ठीक ढ़ंग से पालन करने के लिए प्रेरित करता है, 'गाँव नै संभालो' कार्यक्रम से पंचायती राज व्यवस्था की जानकारी मिलती है तथा अपने गाँव के प्रति लगाव बढ़ता है, 'संगिनी' कार्यक्रम द्वारा महिलाओं में आत्म-निर्भरता एवं आत्म-विश्वास बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, महिलाओं में सामुदायिक सद्भावना विकसित होती है तथा समसामयिक मुद्दों यथा - कन्या भ्रूणहत्या, बालविवाह, नशाखोरी आदि पर जानकारी देता है, 'आपणी चौपाल' कार्यक्रम मुख्यतः ग्रामीण लोगों में आत्मविश्वास एवं सामुदायिक सद्भावना बढ़ाने में सहायक है, 'काया-रा-सुख' कार्यक्रम से स्वास्थ्य रहने की प्रेरणा एवं लोगों को खान-पान में होने वाली मिलावट से बचने के लिए तैयार करता है, 'मस्ती की पाठशाला' कार्यक्रम से बच्चों को पढ़ाई का तनाव दूर करने में मदद मिलती है तथा भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास होता है, 'जाने अपना राजस्थान' कार्यक्रम से सामुदायिक एवं क्षेत्रीय एकता की भावना, राजस्थान की कला एवं संस्कृति पर गर्व की अनुभूति कराता है, इसी तरह 'श्रद्धांजलि शहीदों को' कार्यक्रम साहस, सहनशीलता एवं देश-प्रेम की भावना का विकास करने में सहायक है, 'आज का युवा' कार्यक्रम समाज में समानता का भाव, सकारात्मकता एवं सामंजस्य का गुण उत्पन्न करने पर जोर देता है, इस कारण लोग इन शैक्षिक कार्यक्रमों को नियमित रूप से सुनना चाहते हैं, जिनकों बेहतरीन बनाने के लिए अध्यापकों से प्रतिक्रियायें एवं सुझाव माँगे जाते हैं, अध्यापक वर्ग सामुदायिक

रेडियो कमलवाणी के कार्यक्रम सुनना समय का सदुपयोग मानते हैं इन कार्यक्रमों को सुनकर उन्हें संतुष्टि मिलती है। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की सूचना आपको प्रसारण से पूर्व दी जाती है, ये कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त एवं लाभकारी हैं, इन शैक्षिक कार्यक्रमों की विषयवस्तु से स्पष्ट है, ये कार्यक्रम सामाजिक चेतना के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं एवं मुख्य उद्देश्य सामुदायिक विकास करना है, शैक्षिक कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए सामुदायिक रेडियो कमलवाणी समुदाय के सदस्यों का सहयोग प्राप्त करता है। षिक्षक इन कार्यक्रमों के सम्बन्ध में अभिभावकों, अन्य अध्यापकों के साथ चर्चा करते हैं व अपने आस-पास के परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव करते हैं। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा किये जा रहे शैक्षिक प्रयासों के विषय में स्थानीय समाचार पत्रों में पढ़ कर इन्हें आनंद की अनुभूति होती है। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी जैसे और रेडियो स्थापित करने चाहिए। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की भाषा सरल एवं स्पष्ट होती है, तथा अध्यापकों का प्रतिनिधित्व होने के कारण गर्व की अनुभूति होती है आदि पक्षों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के कारण अध्यापकों का सामुदायिक रेडियो कमलवाणी के शैक्षिक प्रयासों के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण पाया गया है।

वहीं दूसरी ओर 'आपणी धरती-आपणा लोग' कार्यक्रम से सामाजिक परम्पराओं को बनाये रखने का संदेश प्राप्त होता है। यह सर्वकल्याण की भावना पर आधारित है। 'संजीवनी' कार्यक्रम रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। इससे पर्यावरण के प्रति प्रेम का भाव विकसित होता है। 'कानून की बात' कार्यक्रम कानून से 'कानून की बात' कार्यक्रम नागरिक के रूप में हमारे अधिकारों से परिचित कराते हुए योग्य नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। अध्यापक सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते हैं, प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का विषय का चयन उपयुक्त होता है। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा दी जाने वाली शिक्षा विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा को आगे बढ़ाती है, इसके शैक्षिक प्रयासों को समाज की तात्कालिक आवश्यकताओं पर आधारित होने से समाज में परिवर्तन आ सकता है। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी के कार्यक्रम सुनने से आपको विविध समसामयिक विषयों की जानकारी, स्थानीय भाषा का उपयोग होने से कार्यक्रमों में निहित संदेश आसानी से समझ में आ जाता है आदि पक्षों पर अपेक्षाकृत नकारात्मक प्रतिक्रिया रखने के कारण सामुदायिक रेडियो कमलवाणी के शैक्षिक प्रयासों के प्रति अध्यापकों का नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के अग्रांकित निहितार्थ हो सकते हैं-

1. सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने पर यह ज्ञात हुआ है कि लगभग दो तिहाई विद्यार्थियों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। विद्यार्थियों के इस सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण से रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' को अभिप्रेरणा प्राप्त हो सकती है। लगभग एक तिहाई विद्यार्थियों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। यह इस सामुदायिक रेडियो के लिए एक चुनौती हो सकती है। सामुदायिक रेडियो अपने स्तर पर नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण के कारणों की पहचान कर अपने प्रयासों में अविलम्ब सुधार कर सकता है। विद्यार्थियों के द्वारा प्रत्यक्षीकरण अनुसूची पर दी गयी प्रतिक्रियाओं एवं साक्षात्कार द्वारा संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ है कि सामुदायिक रेडियो द्वारा अपने विविध शैक्षिक कार्यक्रमों में जो संदेश किया जा रहा है वह विद्यार्थियों तक स्पष्ट रूप से नहीं पहुँच पा रहा है। विद्यार्थियों से सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों पर प्रतिक्रियायें एवं सुझाव प्राप्त कर आने वाले कार्यक्रमों में सुधार किया जा सकता है। अध्यापक भी कार्यक्रम सुनने के बाद कार्यक्रमों के विषय में अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करके शैक्षिक प्रयासों से विद्यार्थियों को अधिक लाभान्वित कर सकते हैं।

2. सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने पर यह ज्ञात हुआ है कि लगभग तीन चैथाई अध्यापकों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। अध्यापकों द्वारा व्यक्त सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण से रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' को अभिप्रेरणा प्राप्त हो सकती है। लगभग एक चैथाई अध्यापकों ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण व्यक्त किया है। यह इस सामुदायिक रेडियो के लिए एक चुनौती हो सकती है। सामुदायिक रेडियो अपने स्तर पर नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण के कारणों की पहचान कर अपने प्रयासों में अविलम्ब सुधार कर सकता है। अध्यापकों द्वारा प्रत्यक्षीकरण अनुसूची पर दी गयी प्रतिक्रियाओं एवं साक्षात्कार द्वारा संकलित प्रदत्तों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ है कि अध्यापक सामुदायिक रेडियो कमलवाणी पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने, प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का विषय का चयन उपयुक्त होने, सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा दी जाने वाली शिक्षा का विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षाका पूरक होने, शैक्षिक प्रयासों के समाज की तात्कालिक आवश्यकताओं पर आधारित होने, इनसे समाज में परिवर्तन आने की सम्भावना, कार्यक्रमों से विविध समसामयिक विषयों की जानकारी मिलने, कार्यक्रमों में निहित संदेश आसानी से समझ में आने जैसे पक्षों पर अपेक्षाकृत नकारात्मक प्रतिक्रिया रखते हैं। अतः इन पक्षों पर अध्यापकों की प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखकर कार्यक्रमों की विषयवस्तु, भाषा एवं संरचना सुधार कर किया जा सकता है।

3. शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति लक्ष्यित श्रोता समूह में शामिल विद्यार्थियों, अध्यापकों, किसानों एवं सामान्य जन का प्रत्यक्षीकरण बिल्कुल एक समान नहीं पाया गया है। सर्वाधिक सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण अध्यापकों ने जबकि नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण विद्यार्थियों ने दर्शाया है। शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति लक्ष्यित श्रोता समूह में शामिल विद्यार्थियों, अध्यापकों, किसानों एवं सामान्य जन द्वारा व्यक्त सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के लिए उत्साहजनक हो सकता है वहीं 42 प्रतिशत विद्यार्थियों, 26 प्रतिशत अध्यापकों, 41 प्रतिशत किसानों एवं 36 प्रतिशत सामान्य जन द्वारा नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण दर्शाया जाना सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही साथ सजग करने वाला है। शैक्षिक प्रयासों की सहज पहुँच विद्यार्थियों, अध्यापकों, किसानों एवं सामान्य जन तक न हो पाना, कार्यक्रमों की गुणवत्ता से लक्ष्यित श्रोता समूह का सन्तुष्ट न होना, संदेशों का स्पष्ट न होना जैसे प्रमुख कारण नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण के कारक हो सकते हैं। शोधकर्ता द्वय विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित कारकों का स्वतंत्र अध्ययन करने का प्रस्ताव करते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः

- अल-हसन, सेइदु एट आल (2011); रोल ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो इन लिवलीहुड डवलपमेंट: ए स्टडी फोर सिमली रेडियो, द जनरल ऑफ़ फील्ड एक्शन्स साइन्स रिपोर्टस ऑनलाइन, (5), 4.
- चेमवेइना, सिल्हास (2014); रोल ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो स्टेशन्स इन रूरल डवलपमेन्ट: ए स्टडी फोर केएसएस एफएम रेडियो, स्कोलरली जनरल ऑफ़ साइन्टिफिक रिसर्च, फरवरी, 3 (1), 10-15.
- चौधरी, पायल सेन (2011); रोल ऑफ़ कम्युनिकेशन मीडिया डवलपमेन्ट, ग्लोबल मीडिया जर्नल, दिसम्बर, 2 (2), 5-8.
- त्यागी, अलका (2013); सामुदायिक रेडियो वनस्थली की शैक्षिक उपादेयता -एक अध्ययन, अप्रकाशित लघु शोध, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली.
- तावलेह अनास (2012); कम्युनिटी रेडियो इन अफ्रीका: इम्पेक्ट ऑफ़ रेडियो एज आईसीटी टूल इन ज्योग्राफिकल बैकवर्ड एरिया, इन्टरनेशनल जनरल ऑफ़ कम्प्यूटर एण्ड इनफोरमेशन टेक्नोलोजी, नवम्बर, 01 (2), 12-18.

- नायर, प्रदीप (2011); 'कम्युनिटी रेडियो इन इण्डिया - अ न्यू रे इन डवलपमेन्ट, वैज्ञानिक अनुसंधान ऐ.जे.के. संप्रेषण अनुसंधान केन्द्र, जामिया मीलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, मीडिया वॉच जनरल, मीडिया वाच जर्नल, जेनुअरि-जून, 2 (1).
- पाटिल, धनराज ए. (2010); रोल ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो इन डवलपमेंट ऑफ़ रूरल पुअर्स, इन्टरनेशनल जनरल ऑफ़ रूरल स्टडीज, अप्रेल, 17 (3), 1-9.
- बंसल, किरण एण्ड चैधरी, सोहनवीर (1999); रोल ऑफ़ इन्टरेक्टिव रेडियो इन डिस्टेन्स एज्युकेशन: एन इवेलवेटिव स्टडी, ओपन लर्निंग जर्नल, जेनुअरि, 8 (1), 61-65.
- मडेमोम्बे, इलाय (2005); कम्युनिटी रेडियो: ए वोयस ऑफ़ पुअर्स, अप्रैल, 19 (2), 4. http://www.un.org/elosocdeb/geninfo/afrecd
- यालाला, निर्मला (2015); रोल ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो स्टेशन इन वुमैन इम्पावरमेंट इन इंडिया, मास कम्यूनिकेशन एवं जरनेलिज्म, 5 (7), 15-20.
- लक्ष्मी, वेन्कट के. एवं चन्द्रलेखा, आर. (2013); ए स्टडी ऑफ़ सोशियल एक्टिविटीज ऑफ़ एफएम रेडियो स्टेशन्स, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनोवेटिव रिसर्च एण्ड डवलपमेंट, मई, 2 (5), 72-78.
- लामा, सुकाम्या (2010); कम्युनिटी रेडियो फोर डिस्टेन्स एज्युकेशन इन कृष्णकान्ता हन्डीक्यू स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, एशियन जनरल ऑफ़ डिस्टेन्स एज्यूकेशन, 10 (1), 4-9.
- शर्मा, अर्पिता (211); रोल ऑफ़ रेडियो इन रूरल डवलपमेंट: इमरजेंस ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो, जनरल ऑफ़ डवलपमेन्ट कम्यूनिकेशन, 22 (2), 22-27, दिसम्बर.
- सिंह, वी.के. एट आल (2010); सोशियल इम्पेक्ट ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो इन कर्नाटका, इण्डियन रिसर्च ऑफ़ एक्स्टेंशन एज्यूकेशन, मई, 10 (2), 10-15.
- सेबुकन, आर. एण्ड राय, नाथ के. (2015); पुदुवाणी कम्युनिटी रेडियो एज ए सोर्स ऑफ़ एज्युकेशनल प्रोग्राम इन रूरल एरिया ऑफ़ पुडुचेरी: एन इव्येलुऐशनल स्टडी, जर्नल ऑफ़ एडवान्स इन लाइब्रेरी एण्ड इन्फोर्मेशन साइन्स, 5 (1), 53-61.
- सैनी, रचना (2013); हिस्ट्रीकल परस्पेक्टिव ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो इन इंडिया, इन्टरनेशनल जनरल ऑफ़ इनफॅारमेटिव एवं फ्यूचरिस्टिक रिसर्च (IJIFR); रिसर्च एरिया: मास कम्यूनिकेशन एवं कम्यूनिटी रेडियो, दिसम्बर, 1 (4), 97-100.
- सोफोवोरा, ओलानीयी (2008); ए स्टडी ऑफ़ इम्पेक्ट एसेसमेंट ऑफ़ कम्युनिटी रेडियो इन हैल्थ अवेयरनेस इन रूरल सोसायटी, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ़ एज्यूकेशन एण्ड डवलपमेन्ट यूजिंग इन्फोरमेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलोजी, 4 (2), 78-88.